नन्दी®

Nandi नन्दी ISI

ISO 9001
कम्पनी

पाईप व फव्वारा

नन्दी मिनी
स्प्रिंकलर सिस्टम

नन्दी ड्रिप सिस्टम

- नन्दी पाईप व फव्वारा
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम
- नन्दी ड्रिप सिस्टम
- नन्दी रोल (Coil) पाईप

''सुपर क्वालिटी के साथ 23 वर्षों से लगातार आपका विश्वास''

Scanned by CamScanner

नन्दी®

नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम

आधुनिक विदेशी तकनीकी के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया सूक्ष्म सिंचाई का आधुनिक सिस्टम

बिजली की समस्याओं को देखकर पानी के पूरे उपयोग के लिए ''नन्दी'' प्रस्तुत कर रहा है। आधुनिक विदेशी तकनीक से बना ''नन्दी'' मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम जिसके उपयोग द्वारा कम पानी से अधिक खेत की सिंचाई और ज्यादा फसल की पैदावार की जा सकती है। यह पूरे संसार में अपनाई जा रही जल सिंचाई की सर्वोत्तम पद्धति है।

नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम की संकल्पना के लाभ

- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर समान रूप से नमी व हल्की सिंचाई के कारण मिट्टी में वायु व पानी की समान मात्रा बनाए रखता है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर द्वारा मिट्टी में पपड़ी न पड़ने के कारण फसल का साथ अंकुरण।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर द्वारा अधिक सर्दी में पाला पड़ने पर फसल को बचाने में उपयोगी।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर द्वारा पाला पड़ने पर 0°C से -3° तापमान पर बचाने में उपयोगी।
- इस पद्धति में पानी के साथ उर्वरक एवं कीट नाशक दवाईयां फसलों में दी जा सकती है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम शीघ्र एवं सरलता से लगाया व हटाया जा सकता है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर द्वारा हल्की सूक्ष्म सिंचाई के कारण अंकुरण में असुविधा नहीं होती है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर द्वारा जड़ क्षेत्र निरंतर गीला रहने के कारण दीमक की संभावना भी कम होती है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर से गर्म मौसम के वातावरण में नमी बनाने में उपयोगी।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम द्वारा सिंचाई करने से 50 से 60 प्रतिशत तक पानी की बचत की जा सकती है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम द्वारा 25 से 30 प्रतिशत उत्पादन बढ़ता है और फसलों की गुणवत्ता में सुधार आता है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम की डिजाईन अधिकतम पानी की आवश्यकता फसल के अनुसार की गई है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर एक परिवर्तनशील प्रणाली है, जिसे एक वर्ष में 2-3 फसलों के लिए उपयोग कर सकते है।
- नन्दी मिनी स्प्रिंकलर से मोटर पर कम दबाव की आवश्यकता होने से बिजली की बचत।
- दूसरे मिनी स्प्रिंकलर की तुलना में नन्दी मिनी स्प्रिंकलर Pure (वर्जिन) रॉ मैटेरियल से बना होने के कारण तथा आधुनिक तकनीक मशीनों द्वारा लेटरल बने होने के कारण अधिक पानी के प्रेशर से भी नहीं फटता है।

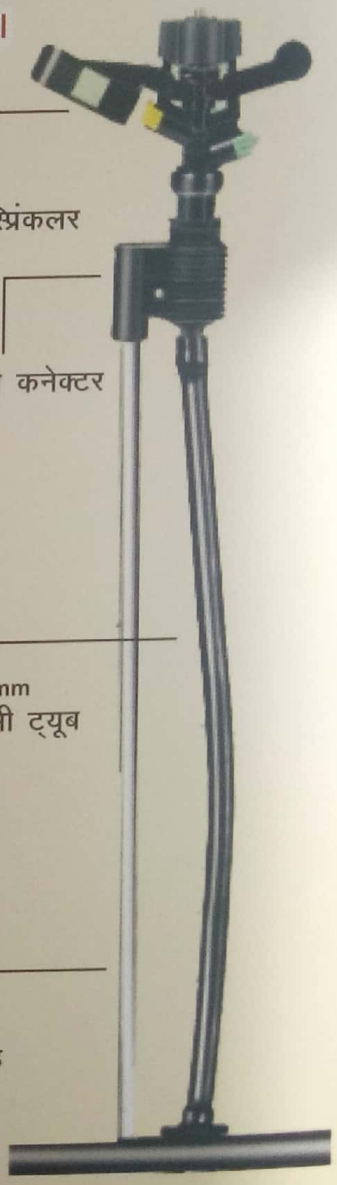

नन्दी मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम द्वारा विभिन्न फसलों की सिंचाई बहुत ही आसान तरीके से की जा सकती है।

सब्जियां - प्याज, लहसुन, धनिया, आलू, पत्तेदार सब्जियां, हरी मिर्चियां, गाजर, मूली, सकरकंद, अदरक, मटर

फसलें - मूंगफली, गेहूं, मूंग, मोठ, गंवार, चना, सोयाबीन, सरसों, कपास व अन्य

मसालें - हल्दी, जीरा, धनिया, चाय बागान, सौंफ इत्यादी

औषधि - सफेद मूसली, इसबगोल, कलमेघ, एलोविरा इत्यादि

Male Treaded Adapter

End Cap

90° Male Threaded Elbow

Joiner

90° Male Threaded T

Single Union Ball Valves

Scanned by CamScanner

नन्दी ड्रिप सिस्टम

नन्दी ड्रिप सिस्टम के लाभ

1. उत्पादकता और गुणवत्ता – ड्रिप सिंचाई में पेड़-पौधों को प्रतिदिन जरूरी मात्रा में पानी मिलता है। इससे उन पर तनाव नहीं पड़ता। फलस्वरूप फसलों की बढ़ोतरी व उत्पादन दोनों में वृद्धि होती है। ड्रीप सिंचाई से फल, सब्जी और अन्य फसलों के उत्पादन में 20 से 50% तक बढ़ोतरी संभव है।

2. पानी – ड्रिप सिंचाई द्वारा 50 से 90% तक सिंचाई पानी की बचत होती है।

3. जमीन – उबड़-खाबड़ क्षारयुक्त, बंजर जमीन, शुष्क खेती वाली, पानी के कम रिसाव वाली जमीन और अल्प वर्षा की क्षारयुक्त जमीन और समुंद्र तटीय जमीन भी खेती हेतु उपयोग में लाई जा सकती है।

4. रासायनिक खाद – फर्टिगेशन से पोषकतत्व बराबर मात्र में सीधे पौधों की जड़ों में पहुंचाए जाते है, जिसकी वजह से पौधे पोषक तत्वों का उपयुक्त इस्तेमाल कर पाते हैं तथा प्रयोग किए गए उर्वरकों में होने वाले विभिन्न नुकसान कम होते है, जिससे पैदावार में वृद्धि होती है। इस पद्धति द्वारा 30 से 45 प्रतिशत तक रासायनिक खाद की बचत की जा सकती है।

5. खरपतवार – ड्रिप सिंचाई में पानी सीधे फसल की जड़ों में दिया जाता है। आस-पास की जमीन सूखी रहने से अनावश्यक खरपतवार विकसित नहीं होते। इससे जमीन के सभी पौष्टिक तत्व केवल फसल को मिलते है।

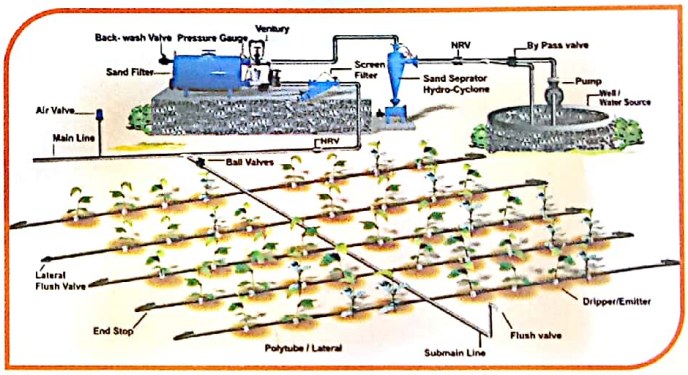

नन्दी ड्रिप सिस्टम द्वारा अनार की खेती

नन्दी ड्रिप सिस्टम द्वारा केले की खेती

नन्दी ड्रिप सिस्टम द्वारा टमाटर की खेती

नन्दी ड्रिप सिस्टम द्वारा खेती

नन्दी ड्रिप सिस्टम की विशेषताएं

1. पानी सीधे फसल की जड़ में दिया जाता है।
2. जड़ क्षेत्र में पानी सदैव पर्याप्त मात्रा में रहता है।
3. जमीन में वायु व जल की मात्र उचित क्षमता स्थिति पर बनी रहने से फसल की वृद्धि तेजी से और एक सामान रूप से होती है।
4. फसल को हर दिन या एक दिन छोड़कर पानी दिया जाता है।
5. पानी अत्यंत धीमी गति से दिया जाता है।
6. ड्रिप सिंचाई द्वारा 50 से 90% तक सिंचाई पानी की बचत होती है।
7. ड्रिप सिंचाई में पानी सीधे फसल की जड़ों में दिया जाता है।

Driper

Joiner

Take off

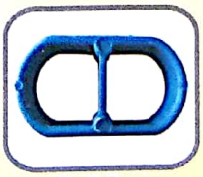

End Cap

Grommet

Tee

Lateral Cock walve

Scanned by CamScanner

Nandi®

An ISO 9001 Company

Drip & Mini Sprinkler System

सेन्ड फिल्टर (रेती का फिल्टर) -

यह पानी से काई और अन्य कचरें को रोकने का काम करता है। इस फिल्टर की सफाई बहुत आसानी से हो जाती है। यह लोहे का बना होता है।

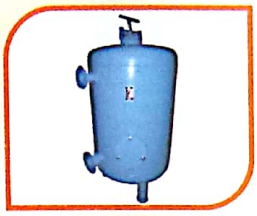

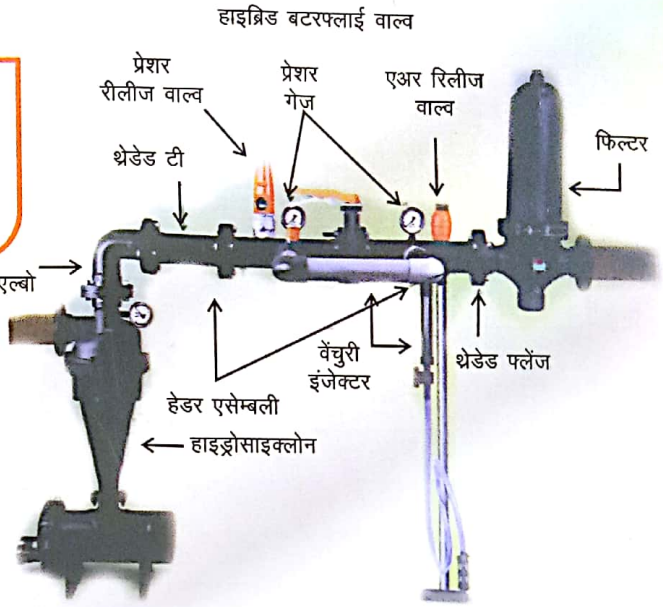

हाईड्रोसाईक्लोन फिल्टर -

यह पानी से रेत को रोक कर पानी को साफ करता है तथा लगाने व साफ करने में आसान होता है। यह फिल्टर विशेष प्रकार के पॉलिमर से बनाए जाते है। जिससे इन पर मौसम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। फिल्टर के निर्माण में विशिष्ट प्रकार के प्लास्टिक के इस्तेमाल से यह न केवल मजबूत है। बल्कि लम्बे समय तक चलता है।

नन्दी लेटरल पाईप

नन्दी लेटरल ट्यूब फिटिंग वर्जिन मेटेरियल से बनाए गए है। नन्दी लीक प्रुफ फिटिंग्स प्रदान करता है। नन्दी लेटरल ट्यूब फिटिंग, माईक्रोप्रोसेसर इंजेक्शन, मोल्डिंग मशीन से बने होते है। नन्दी प्रत्येक लेटरल के लिए सरल फिटिंग और लम्बी टिकने वाली संरचना प्रदान करता है।

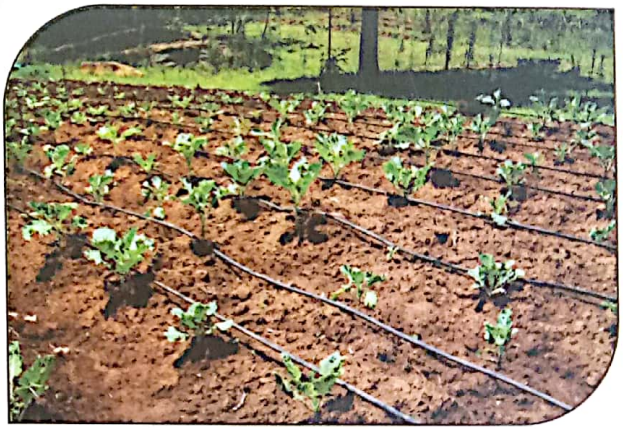

वेन्चुरी ईजेक्टर -

यह एक ऐसा यंत्र है जो फसलों में दवाईयां उर्वरक आसानी से दी जा सकती है। इस सिस्टम को कोई भी चला सकता है। यह इंजीनियरिंग प्लास्टिक का बना होता है।

हमारे अन्य आधुनिक उत्पाद

रेन गन

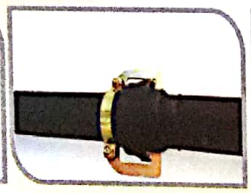
75 mm P Type

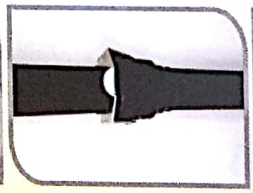
75 mm C Type

75 mm K Type

110 mm DLW

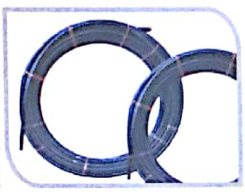
Coil Pipe

Nandi®

Since 1994

पवन पोलीटेक्स प्रा.लि.

एफ-20, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया, नोखा -334803 (राज.)

फोन नं. 01531-220555, 221555, फैक्स - 222555

ई-मेल : nandinokha@gmail.com

वेबसाईट : www.pawanpolytex.com

Scanned by CamScanner